B.A. Final CBCS Pattern Semester-V

BA25B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 5 **GUG/W/23/13021**

Time : Three Hours * 6 9 8 9 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एकं समयं भगवा राजगहे विहरति गिज्झ कूटे पब्बते। तेन खो पन समयेन राजा मागधो अजातसत्तु वेदेहिपुत्तो वज्जी अभियातुकामो होति। सो एवमाह - अहं हि इमे वज्जी एवं महिध्दिके, एवं महानुभावे, उच्छेज्जामि वज्जी विनासेस्सामि वज्जी, अनयव्यसनं आपादेस्सामि वज्जी' ति। अथ खो राजा मागधो अजातसत्तु वेदेहिपुत्तो वस्सकारं मगधमहामत्तं आमन्तेसि, एहि त्व ब्राह्मण। येन भगवा तेनुपसङकम, उपसङकमित्वा मम वचनेन भगवतो पादे सिरसा वन्दाहि। अप्पाबाधं अप्पातङ्कं लहुट्ठानं बलं फासुविहारं पुच्छ 'राजा भन्ते। मागधो अजातसत्तु वेदेहि पुत्तो भगवतो पादे सिरसा वन्दति। अप्पाबाधं अप्पातङक लहुट्ठानं बलं फासुविहारं पुच्छती"ति। एवञ्च वदेहि 'राजा भन्ते। मागधो अजातसत्तु वेदेहिपुत्तो वज्जी अभियातुकामो।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन नालन्दा, तदवसरि। तत्र सुदं भगवा नालन्दायं विहरति पावारिकम्बने। अथ खो आयस्मा सारिपुत्तो येन भगवा, तेनुपसङकमि। उपसङकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो आयस्मा सारिपुत्तो भगवन्तं एतदवोचं - एवं पसन्नो अहं भन्ते। भगवतो, न चाहु, न च भविस्सति, न चेतरहि विज्जति अञ्ञो समणो वा ब्राह्मणो वा भगवता भिय्योभिञ्ञतरो यदिदं सम्बाधियन्ति। 'उलारा खो ते अयं सारिपुत्त। आसभीवाचा भासिता। ए कंसो गहितो सीहनादो नदितो - एवं पसन्नो अहं भन्ते। भगवति, न चाहु, न च भविस्सति, न चेतरंहि विज्जति, अञ्ञो समणो वा ब्राह्मणो वा भगवता भिय्योभिञ्ञतरो यदिदं सम्बोधियन्ति।

ब) वज्जीचे 'सत्त अपरिहानिया धम्मा' सांगा. **6**
वज्जीयों के 'सत्त अपरिहानिया धम्मा' बताईए।

किंवा / अथवा

"सीलानिसंसा" विस्ताराने सांगा.
"सीलानिसंसा" विस्तार से बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

तत्र सुदं भगवा वेसालियं विहरन्तो अम्बपालिवने एतदेव बहुलं भिक्खूनं धम्मिं-कथं करोति इति सीलं इति समाधि, इति पञ्ञा। सीलपरिभावितो समाधि महप्फलो होति महानिसंसो। समाधिपरिभाविता पञ्ञा महप्फला होति महानिसंसा। पञ्ञापरिभावितं चित्तं सम्मदेव आसवेहि विमुच्चति। सेय्यथिदं कामासवा, भवासवा, दिट्ठासवा, अविज्जासवा' ति। अथ खो भगवा अम्बपालिवने यथाभिरन्तं विहरित्वा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि 'आयामानन्द। येन वेलुवगामको तेनुपसङ्कमिस्सामा' ति। 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पच्चस्सोसि।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा गिलाना वुट्ठितो अचिरवुट्ठितो गेलञ्ञा विहारा निक्खम्म विहारपच्छायायं पञ्ञत्ते आसने निसीदि। अथ खो आयस्मा आनन्दो येन भगवा तेनुपसङ्कमि। उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो आयस्मा आनन्दो भगवन्तं एतदवाच- 'दिट्ठो मे भन्ते। भगवतो फासु, दिट्ठं मे भन्ते। भगवतो खमनीयं, अपि च मे भन्ते। मधुरकजातो विय कायो, दिसापि मे न पक्खायन्ति धम्मापि मं नप्पटिभन्ति भगवतो गेलञ्ञेन। अपि च मे भन्ते। अहोसि कोचिदेव अस्सासमत्ता न ताव भगवा परिनिब्बायिस्सति, न याव भगवा भिक्खुसंघं आरब्भ किञ्चिदेव उदाहरती 'ति।

ब) "अम्बपालिगणिकाय भोजन" स्पष्ट करा. **6**
'अम्बपालिगणिकाय भोजन" स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

दुतियभाणवार मध्ये काय - काय आहे ते सांगा.
दुतियभाणवार मे क्या क्या है वह बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

वृत्तं हेतं भगवता, वृत्तमरहता ति मे सुत्तं - एकधम्मं, भिक्खवे, पजहथ, अहं वो पाटिभोगो अनागामिताय। कतमं एकधम्मं? दोसं, भिक्खवे, एकधम्म पजहथ, अहं वो पाटिभोगो अनागमिताया 'ति। हलमत्थं भगवा अवोच। तत्थेतं इति वुच्चति।
"येन दोसेन दुट्ठासे, सत्ता गच्छन्ति दुग्गति।
तं दोसं सम्मदञ्ञाय पजहन्ति विपस्सिनो।
पहाय न पुनायन्ति, इमं लोकं कुदाचनं "ति"
अयं पि अत्थो वृत्तो भगवता, इति मैं सुत्तं ति।

किंवा / अथवा

1) अक्कोच्छि मं अवधि मं अजिनि मं अहासि में।
ये च तं उपनय्हन्ति वेरं तेसं न सम्मति॥

2) अक्कोच्छि मं अवधि मं अजिनि मं अहासि में।
ये तं नं उपनय्हन्ति वेरं तेसूपसम्मति॥

3) न हि वेरेन वेरानि सम्मन्तीध कुदाचनं।
अवेरेन च सम्मनित एस धम्मो सनन्तनो॥

4) परे च न विजानन्ति मयमेत्थ यमामसे।
ये च तत्थ विजानन्ति ततो सम्मन्ति मेधगा॥

ब) "अप्पमादो अमत - पदं पमादो मच्चुनो पदं।" स्पष्ट करा. **6**
"अप्पमादो अमत - पदं पमादो मच्चुना पदं।" स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

इतिवृत्तकातील मोहसुत्तांचा सारांश लिहा.
इतिवृत्तके मोहसुत्त का सार लिखिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**

1) दातु 2) मातु

3) चत्थु 4) मन

ब) उपसर्ग लिहा **कोणतेही चार.** **4**
उपसर्ग लिखिए **कोई भी चार।**

गच्छति, पराजयति, दुग्गत, सुकत, धावति, जानती

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) बुध्दस्स धम्मपद अहं पठामि।

2) उरगा गामस्मा गच्छन्ति।

3) दण्डि मग्गेन भिक्खाय याचति।

4) सत्था जनस्स धम्म देसेतु।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) मी पुस्तक वाचत आहे.
मै किताब पढ़ रहा हूँ।

2) तो आज महाविद्‌लयात जाणार नाही.
वह आज महाविद्‌यालय में नही जायेंगा।

3) ती एका माणसाबरोबर बाजारात जाते.
वह एक मनुष्य के संग बाजार में जाती है।

4) मुलगा कविता लिहितो.
लड़का कविता लिखता है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) इतिवृत्तक 2) धम्मपद

3) विनयपिटक 4) गोतम बुध्दं

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) सुत्तपिटकाचे किती निकायात विभाजन होते.
सुत्तपिटक का कितने निकायों में विभाजन होता है।
अ) 07 ब) 06
क) 05 ड) 04

2) महापरिनिब्बाण सुत्तांचा क्रमांक कितवा आहे.
महापरिनिब्बाण सुत्त का क्रमांक कितना है।
अ) 15 ब) 16
क) 17 ड) 18

3) महापरिनिब्बाण सुत्ताचे किती भाणवार आहेत.
महापरिनिब्बाण सुत्त के कितने भाणवार है।
अ) 07 ब) 08
क) 06 ड) 05

4) आम्रपाली कूठे राहत होती.
आम्रपाली कहाँ रहती थी।

अ) मगध ब) राजगृह
क) नालंदा ड) वैशाली

5) सारिपुत्राने कूठे सिंहगर्जना केली.
सारिपुत्रने कहाँ सिंहगर्जना की थी।

अ) वैशाली ब) नालंदा
क) कूसीनगर ड) भोगनगर

6) इतिवृत्तक ग्रंथात सुत्त किती.
इतिवृत्तक ग्रंथ में सुत्तं कितने।

अ) 110 ब) 111
क) 112 ड) 113

7) दोससुत्त कुठे येते.
दोससुत्त कहाँ आता है।

अ) धम्मपद ब) उदान
क) सुत्तनिपात ड) इतिवृत्तक

8) धम्मपद कुठे येते.
धम्मपद कहाँ आता है।

अ) खुद्दकनिकाय ब) इतिवृत्तक
क) विनयपिटक ड) उदान

9) पालित मोग्गल्लायन किती सर मानतो.
पालि में मोग्गल्लायन कितने सर मानते है।

अ) 08 ब) 10
क) 12 ड) 14

10) पालित उपसर्ग किती.
पालि में उपसर्ग कितने।

अ) 20 ब) 21
क) 22 ड) 23

****